

PANAMA FLONICAMID 50% WG

Flonicamid 50% WG is a systemic insecticide used for the control of Brown Plant Hopper (BPH), White Backed Plant Hopper (WBPH), Green Leaf Hopper (GLH), Aphid, Jassid, Thrips and Whitefly in Cotton and Aphids, Jassids and White fly in Okra and Brinjal.

Chemical Composition	Content (%) (w/w)
Flonicamid active ingredient	50.00
Polyalkylnaphthalene Sulfonate	5.00
Polycarboxylates	3.00
Sodium Ingo Sulfonate	15.50
Fatty alcohol ethoxysulfates	1.50
Silicon oil emulsion	0.50
Sodium Chloride	14.00
Kaolin	Q.S.
Total	100.00

Recommendation:

Crop	Name of pests	Name of pests				Waiting period from last spray in harvest (days)
		a.i. (g/l)	Formulation (g)	Dilution in water (l)		
Rice	Brown Plant Hopper (BPH), White Backed plant Hopper (WBPH), Green Leaf Hopper (GLH)	75	150	500	36	
Cotton	Aphid, Jassid, Thrips and Whitefly	75	150	500	25	
Okra	Aphids (Aphis gossypii), Jassids (Amrasca biguttula Biguttula), White fly (Bemisia tabaci)	100	200	500	10	
Brinjal	Aphids (Aphis gossypii), Jassids (Amrasca biguttula Biguttula), White fly (Bemisia tabaci)	100	200	500	15	

Weather conditions: Not to be used during unfavorable conditions

Soil & water: Light to heavy soil. Clean water to be used for spray.

Crop stage for application: Vegetative to reproductive stage.

Application techniques: Foliar spray

Equipment type: Use Knapsack sprayer, compression knapsack sprayer, compressed knapsack sprayer and battery-operated power sprayer

Nozzle types: Hollow cone

Dosage: Refer to the above recommendation.

Instructions for mixing: Measure out required quantity of the product and mix well with a small quantity of water.Add the remaining quantity of water as specified with thorough agitation for total coverage/crop with suitable sprayer.

Re-Entry Period: 24 hr

Pre-harvest interval (Waiting period): Refer to the above recommendation.

Application time: Foliar spray after occurrence of insect pests.

Frequency including maximum number of sprays: 2-3 sprays depending on insect pest infestation.

Stage during which pesticide should not be applied for any crop: Refer to the above recommendation.

Precaution taken to avoid harm to the beneficial: Toxic to honeybees and fish. It should not be used in the areas where pisciculture is practiced. Do not spray during active bee foraging period of the day.

Usage of pesticides in confined area: Not allowed.

Warning: Dangerous to use empty containers.

Direction for safe disposal for use container: 1. It shall be the duty of manufacturers, formulators of insecticide and operators to dispose off packages or surplus materials and washings in a safe manner to prevent environmental water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. The packages shall be broken and buried away from habitation.

Signs and symptoms of poisoning: Lethargy, anorexia, shallow respiration, salivation, slight depression, frequent urination, discomfort, dullness, tachycardia.

Storage: 1. The packages containing the insecticide shall be stored in separate room or premises, away from the rooms or premises, away from the rooms or premises used for storing other articles or shall be kept in separate almirah under lock and key, depending on the quantity and nature of the insecticide. 2. The rooms or premises meant for storing the insecticides shall be well built, dry, well-ill and ventilated and of sufficient dimension

Treatment in case of poisoning: No specific antidote is known. Treat symptomatically.

First aid: If ingested: If person is conscious and alert, rinse mouth with water and give 1 or 2 glassful of water to drink. Never give anything by mouth to an unconscious person. Call the doctor. Do not induced vomiting until and unless directed by attending physician.

If inhaled: Take the patient to fresh air and take care of body temperature. If patient is not breathing or breathing with difficulty give artificial respiration, preferably with mouth tomouth breathing. Consult a physician.

In case of skin contact: Wash thoroughly the affected part of body with soap and plenty of water including hands and under fingernails. If pain, redness or irritation persist, consult a doctor. All the contaminated clothes should be segregated and thoroughly washed with soap and water separately before use.

In case of eye contact: Rinse gently with plenty of water at least for 15 minutes. If pain, irritation, redness or photophobia persist. Consult eye specialist.

Precautions to be taken: 1. The spray man should use appropriate protective clothing like hat, long sleeved shirt, long pants and shoes. 2. Avoid contact with eyes and skin when handling the concentrates spray solution. Avoid inhalation of spray mist. Wash thoroughly with soap and water after handling. Do not eat, drink or smoke during application. 3. Remove contaminated clothes and wash before reuse. Do not reuse the empty containers. 4. Wash hands with soap and water before meals and after work. 5. After spraying this insecticide,the sprayer and utensils should be thoroughly cleaned with plenty of soap and water.

CAUTIONARY STATEMENT: 1. Not to be used on Crops and pests through from those subcategories. 2. Do not use the container after use as directed on leaflet. 3. The product is reported to be highly toxic to fish and aquatic organisms and thus its usein around water bodies should be avoided.

Marketed by : SWAL CORPORATION LTD.,

Regd. Office: UPL LTD., Roadway Terminal, 167, Dr. A. B. Road, Wadgaon, Mumbai - 400 018, Maharashtra.

पनामा फ्लोनिकामीड ५०% डब्ल्यू.जी

फ्लोनिकामीड ५०% डब्ल्यू. जी. एक कनायी कीटनाशक है। विरसा उपयोग घन के भूत पत्ति दिइइइ, सोनय पोटा दिइइइ, हवा पत्ति दिइइइ, कासल के तेल, माही, मुखाइ तथा चक्रेइ मछली, मीसे के तेल, माही तथा सोनय मछली और केन के तेल, माही तथा सोनय मछली की रोकथाम के लिए किया जाता है।

रासायनिक संघटन:	प्रमाण (%) (w/w)
संघटन	प्रमाण (%) (w/w)
पॉलीकार्बोसिलेड सॉलिय लव	50.00
पॉलीनॉक्लेरिकएसिडसल्फोनेट	5.00
पोलीकार्बोसिलेट	3.00
Sodium Ingo Sulfonate	15.50
Fatty alcohol ethoxysulfates	1.50
Silicon oil emulsion	0.50
Sodium Chloride	14.00
Kaolin	Q.S.
Total	100.00

प्रयोग के लिए परामर्श:

फसल	कीटाई का साधनान नाम	रज्जिय रकड (ग्राम)	सोनेलन (ग्राम)	फली की मात्रा (कै।)	औसत डिस्पोजन तथा काल (अंतर)
धान	भूत पत्ति दिइइइ, सोनय पोटा दिइइइ, हवा पत्ति दिइइइ	75	150	500	36
कपास	केला मूई, भूतय तथा सोनय मछली	75	150	500	25
मैई	भूत (औसत गाीसी) केरा (अमराका भिगुलन भिगुलन) सोनय मछली (केरीसिआ टवाक)	100	300	500	10
केन	भूत (औसत गाीसी) केरा (अमराका भिगुलन भिगुलन) सोनय मछली (केरीसिआ टवाक)	100	200	500	15

मीस की सामान्य स्थिति: प्रतिकूल परिस्थितियों में उपयोग न करें।

भूदा और जल: हल्की से घारी मिट्टी। छिड़काव के डिवा साफ पानी का उपयोग करें।

उपयोग के लिए फसल की अवस्था: पौधयुविक प्रारंभन अवस्था में।

उपयोग तकनीक: छिड़काव करें।

उपकरण के प्रकार: मेनेस्क स्प्रेयर, कॉम्प्रेसन मेनेस्क स्प्रेयर, कॉम्प्रेसन मेनेस्क स्प्रेटी स्प्रेयर और बैटरी संचालित पावर स्प्रेयर।

नोजल प्रकार: होले कोन नोजल

मात्रा: ऊसर दिए परमस का पालन करें।

मिश्रण के लिए अनुदेश: मिश्रण की आवश्यक मात्रा को मापकर पहले थोड़े से पानी में मिलाएं। उपरोक्त मात्रा पानी में मिलाएँ मात्रा कमकर इसे अच्छी तरह घोल दें तथा किसी उपयुक्त उपकरण की मदद से पूरी फसल पर छिड़काव करें।

पूरु प्रविष्टि: 24 घंटे।

पूरु फसल का अवतरण: ऊसर दिए परमस का पालन करें।

उपयोग का समय निर्धारण: कीटाई के प्रकट होने पर छिड़काव करें।

आवृत्ति जितके अवतरण छिड़काव की अधिकतम संख्या: कीटाई के उपरान्त अनुसर 2-3 छिड़काव करें।

अवस्था जितके दौरान कीटनाशी किसी प्रकार पर अनुपयुक्त नहीं होने: ऊसर दिए पर परमस का पालन करें।

उपयोगी जीवों का उपकरण न होने के लिए सावधानियाँ: जिन स्थितियों में मधुमक्खी और मछली घुस, जंगली पक्षीऔं और जंगलवासी मुसलान होने की संभावना है उन स्थितियों में कीटनाशक का उपयोग न करें।

सीमित क्षेत्र में कीटनाशक का उपयोग: अनुमति नहीं है।

शोषण: शोषण आगमन पूरा उपयोग के लिए फलकारण।

उपयोग के परम्परागत खतरा डिक्को का सूचक निर्धारण: 1।मिर्जाना, सोनजकारण एंर दान का छिड़काव कनेमली व्यक्ति का कार्य है की जो खास डिक्के या बी दा जो सुरक्षित तरीके से मन्द करें ताकी प्यावरण और प्रमाण पान हो। 2। कीटनाशक के उपयोग के पचास छात्रा डिक्को को पुनः उपयोग के लिए प्रमाण न छोड़ें। 3। छात्रा डिक्को को मन्द कर, आबादी से दूर जमान में पाने बाहर निकालें।

विश्वकिसान के सार: मिर्जाना, अरकपत्ता, सास लेने में तकलीफ, लार निगल, उलसीराना, बमरक भूतकान, तकलीफ होने, मर्मिस्त्रान, टैक्कोइड।

भंडारण: 1। कीटनाशक का भंडारण, अलग करके या जगह, या पत्ती जगह नहीं अपर दस्तु काली हो के खाया तथा बन्द अमरगोली में करें। कीटनाशक को खास पाथर में दूर रखें। 2। कीटनाशक के भंडारण की जगह अच्छी तरह बनी हो, कीटनाशक, खुब और खायाइ हो तब पाथर लनीय व बीडी हो, जिससे बिना बाध दान प्रयुक्ता होने का हर न हो।

प्रतिकारक: कोरे खास विषमविषाक उपकरण नहीं है। लक्षानुसार उपकरण करें।

प्राथमिक उपचार: निगल जाने पर: यदि व्यक्ति शोध में अरु तकली है, तो पानी से खाइ मूँसे बुल्ला करें और उसे 1 या 2 गिलास पानी पीजिए। केही शोधित को मूँसे से सघ मूँसे न दें। डीक्कर को जगह (जब तक विश्वकिक दाना हवा जाए)उपरी न रखें।

संसर्ग में जमी से: मरीक को खुली जमी में मार और हरर के तामकान का काला रसिह। मरीक सिस मी से पर हवा के सार लेने में कजिइइ हो रही है तो उसे डूबे दाना कूचन सारकर दें। विश्वकिक से चमकन करें।

रसायन के संस्पर्श से: अच्छी तरह से सलून के सावा जगदा पानी से बाल और काली के नीचे सहित हरर के संपर्की बिस्को को पानी से। 1. दूध, लानी व जलन जाने रही तो डीक्कर से सलून पानी को। सली पत्ति सारें और पानी और अच्छी तरह से उपकरण को पानी से पहले सलून और पानी की थोडा पानी धोएं।

अंध के संस्पर्श से: अच्छी पानी से हलके से कम से कम 15 मिनित लव धोएं। अपर दूध, जलन, लानी या कोरेखायि जमी सलून हो तो उसे बिस्कोसे से चमकन करें।

उपयोग के लिए सुरक्षाधाराएँ: 1. छिड़काव करके बाद कीटा, ऊपर पावरस और घुसे घुसे। 2. इस कीटनाशक में मिर्जाना के संपर्क और वसा के संपर्क से बची। कीटनाशक को सूखे नोजल उपयोग के समय प्रयोगन पान प्रयुक्ता मानें है। उपरके उपयोग फलकार धोको को सलून और प्याथर पानी से छोड़ें। 3. घुसी काली को अच्छी तरह से जो। छात्रा डिक्को को हस्तकाल न करें। 4. काम के बाद और मरीक से पहले हाथों और लवा को सलून और पानी से अच्छी तरह धो दें। 5. सोनो कीटनाशक के प्रयोग के बाद स्प्रेयर और सारकी को अच्छी तरह सलून और पानी से धोना चाहिए।

सावधानी धारण: 1. केवल अंधक और पत्ती में जलस्थितिज्जिज्जिज्जिज्जिज्जिज्जि के अलवा किसी भी अन्य पदार्थ को पीजिए कर हलका उपयोग न करें। 2. पत्ती पर लीपिइउ लेखके के अलसर प्रयोग के बाद कनेइर (डिक्को) को मन्द कर दें। 3. उपर पाथर मरीक और जली कीटाई के लिए बहुत सरोहीन हो और हलका उपयोग जम में अरु जली क्षेत्र में आसपास नही करना चाहिए।

विशेषता : स्याल कॉर्पोरेशन लिमिटेड,
पंजीकृत कार्यालय : सुप्रीस लिमिटेड, रैफिनरी रोड,
१७, डॉ. जी.पी.रोड ईस्ट, वरली, मुंबई-४०० ०१८, महाराष्ट्र

पनामा फ्लोनिकमिड ५०% डब्ल्यू.जी.

फ्लोनिकाीड 50% डब्ल्यू.जी. एक आंतराणीय कीटनाशक असुर ते मात विकासशील काल परत हलर (कीपलर), पखर बंडर परत हलर (डब्ल्यूसीपलर), ग्रीन लीस हलर (जीलपलर) डिक्का, तेलय कृषिमात्रा मछली, मुकुडिइ, मुसकिके पंढरी माशी आदि पंढरी व पानी पोष्यवर्धन मछली, मुकुडिइ, पंढरी माशी वायवा मिमजगतीय वारले जतै.

रासायनिक संघटन	प्रमाण (%) (w/w)
संघटन	प्रमाण (%) (w/w)
पॉलीनॉक्लेरिक डिवायल सल्फेट	50.00
पॉलीआम्लिक एसिडसल्फोनेट	5.00
पॉलीकार्बोसिलेट	3.00
सोडियम लिगो सल्फोनेट	15.50
फैटी अल्कोहोल एथॉक्सिलेट्स	1.50
सिलिकोन ऑइल इमल्शन	0.50
सोडियम क्लोराइड	14.00
काओलिन	Q.S.
कुल	100.00

फसल	कीटाई का साधनान नाम	रज्जिय रकड (ग्राम)	सोनेलेसन (ग्राम)	फली की मात्रा (कै।)	औसत डिस्पोजन तथा काल (अंतर)
धान	भूत पत्ति दिइइइ, सोनय पोटा दिइइइ, हवा पत्ति दिइइइ	75	150	500	36
कपास	केला मूई, भूतय तथा सोनय मछली	75	150	500	25
मैई	भूत (औसत गाीसी) केरा (अमराका भिगुलन भिगुलन) सोनय मछली (केरीसिआ टवाक)	100	300	500	10
केन	भूत (औसत गाीसी) केरा (अमराका भिगुलन भिगुलन) सोनय मछली (केरीसिआ टवाक)	100	200	500	15

मीस की सामान्य स्थिति: प्रतिकूल परिस्थितियों में उपयोग न करें।

भूदा और जल: हल्की से गारी मिट्टी। छिड़काव के डिवा साफ पानी का उपयोग करें।

उपयोग के लिए फसल की अवस्था: पौधयुविक प्रारंभन अवस्था में।

उपयोग तकनीक: छिड़काव करें।

उपकरण के प्रकार: मेनेस्क स्प्रेयर, कॉम्प्रेसन मेनेस्क स्प्रेयर, कॉम्प्रेसन मेनेस्क स्प्रेयर और बैटरी संचालित पावर स्प्रेयर।

नोजल प्रकार: होले कोन

मात्रा: ऊसर दिए परमस का पालन करें।

मिश्रण के लिए अनुदेश: मिश्रण की आवश्यक मात्रा को मापकर पहले थोड़े से पानी में मिलाएं। उपरोक्त मात्रा पानी में मिलाएँ मात्रा कमकर इसे अच्छी तरह घोल दें तथा किसी उपयुक्त उपकरण की मदद से पूरी फसल पर छिड़काव करें।

पूरु प्रविष्टि: 24 घंटे।

पूरु फसल का अवतरण: ऊसर दिए परमस का पालन करें।

उपयोग का समय निर्धारण: कीटाई के प्रकट होने पर छिड़काव करें।

आवृत्ति जितके अवतरण छिड़काव की अधिकतम संख्या: कीटाई के उपरान्त अनुसर 2-3 छिड़काव करें।

अवस्था जितके दौरान कीटनाशी किसी प्रकार पर अनुपयुक्त नहीं होने: ऊसर दिए पर परमस का पालन करें।

उपयोगी जीवों का उपयोग न होने के लिए सावधानियाँ: जिन स्थितियों में मधुमक्खी और मछली घुस, जंगली पक्षीऔं और जंगलवासी मुसलान होने की संभावना है उन स्थितियों में कीटनाशक का उपयोग न करें।

सीमित क्षेत्र में कीटनाशक का उपयोग: अनुमति नहीं है।

शोषण: शोषण आगमन पूरा उपयोग के लिए फलकारण।

उपयोग के परम्परागत खतरा डिक्को का सूचक निर्धारण: 1।मिर्जाना, सोनजकारण एंर दान का छिड़काव कनेमली व्यक्ति का कार्य है की जो खास डिक्के या बी दा जो सुरक्षित तरीके से मन्द करें ताकी प्यावरण और प्रमाण पान हो। 2। कीटनाशक के उपयोग के पचास छात्रा डिक्को को पुनः उपयोग के लिए प्रमाण न छोड़ें। 3। छात्रा डिक्को को मन्द कर, आबादी से दूर जमान में पाने बाहर निकालें।

विश्वकिसान के सार: मिर्जाना, अरकपत्ता, सास लेने में तकलीफ, लार निगल, उलसीराना, बमरक भूतकान, तकलीफ होने, मर्मिस्त्रान, टैक्कोइड।

भंडारण: 1। कीटनाशक का भंडारण, अलग करके या जगह, या पत्ती जगह नहीं अपर दस्तु काली हो के खाया तथा बन्द अमरगोली में करें। कीटनाशक को खास पाथर में दूर रखें। 2। कीटनाशक के भंडारण की जगह अच्छी तरह बनी हो, कीटनाशक, खुब और खायाइ हो तब पाथर लनीय व बीडी हो, जिससे बिना बाध दान प्रयुक्ता होने का हर न हो।

प्रतिकारक: कोरे खास विषमविषाक उपकरण नहीं है। लक्षानुसार उपकरण करें।

प्राथमिक उपचार: निगल जाने पर: यदि व्यक्ति शोध में अरु तकली है, तो पानी से खाइ मूँसे बुल्ला करें और उसे 1 या 2 गिलास पानी पीजिए। केही शोधित को मूँसे से सघ मूँसे न दें। डीक्कर को जगह (जब तक विश्वकिक दाना हवा जाए)उपरी न रखें।

संसर्ग में जमी से: मरीक को खुली जमी में मार और हरर के तामकान का काला रसिह। मरीक सिस मी से पर हवा के सार लेने में कजिइइ हो रही है तो उसे डूबे दाना कूचन सारकर दें। विश्वकिक से चमकन करें।

रसायन के संस्पर्श से: अच्छी तरह से सलून के सावा जगदा पानी से बाल और काली के नीचे सहित हरर के संपर्की बिस्को को पानी से। 1. दूध, लानी व जलन जाने रही तो डीक्कर से सलून पानी को। सली पत्ति सारें और पानी और अच्छी तरह से उपकरण को पानी से पहले सलून और पानी की थोडा पानी धोएं।

अंध के संस्पर्श से: अच्छी पानी से हलके से कम से कम 15 मिनित लव धोएं। अपर दूध, जलन, लानी या कोरेखायि जमी सलून हो तो उसे बिस्कोसे से चमकन करें।

उपयोग के लिए सुरक्षाधाराएँ: 1. छिड़काव करके बाद कीटा, ऊपर पावरस और घुसे घुसे। 2. इस कीटनाशक में मिर्जाना के संपर्क और वसा के संपर्क से बची। कीटनाशक को सूखे नोजल उपयोग के समय प्रयोगन पाना प्रयुक्ता मानें है। उपरके उपयोग फलकार धोको को सलून और प्याथर पानी से छोड़ें। 3. घुसी काली को अच्छी तरह से जो। छात्रा डिक्को को हस्तकाल न करें। 4. काम के बाद और मरीक से पहले हाथों और लवा को सलून और पानी से अच्छी तरह धो दें। 5. सोनो कीटनाशक के प्रयोग के बाद स्प्रेयर और सारकी को अच्छी तरह सलून और पानी से धोना चाहिए।

सावधानी धारण: 1. केवल अंधक और पत्ती में जलस्थितिज्जिज्जिज्जिज्जिज्जि के अलवा किसी भी अन्य पदार्थ को पीजिए कर हलका उपयोग न करें। 2. पत्ती पर लीपिइउ लेखके के अलसर प्रयोग के बाद कनेइर (डिक्को) को मन्द कर दें। 3. उपर पाथर मरीक और जली कीटाई के लिए बहुत सरोहीन हो और हलका उपयोग जम में अरु जली क्षेत्र में आसपास नही करना चाहिए।

विशेषता : स्याल कॉर्पोरेशन लिमिटेड,
पंजीकृत कार्यालय : सुप्रीस लिमिटेड, रैफिनरी रोड,
१७, डॉ. जी.पी.रोड ईस्ट, वरली, मुंबई-४०० ०१८, महाराष्ट्र

पनामा फ्लोनिकामिड ५०% डब्ल्यू.जी

फ्लोनिकाीड 50% डब्ल्यू.जी. एक आंतराणीय कीटनाशक असुर ते मात विकासशील काल परत हलर (कीपलर), पखर बंडर परत हलर (डब्ल्यूसीपलर), ग्रीन लीस हलर (जीलपलर) डिक्का, तेलय कृषिमात्रा मछली, मुकुडिइ, मुसकिके पंढरी माशी आदि पंढरी व पानी पोष्यवर्धन मछली, मुकुडिइ, पंढरी माशी वायवा मिमजगतीय वारले जतै.

रासायनिक संघटन	प्रमाण (%) (w/w)
संघटन	प्रमाण (%) (w/w)
पॉलीनॉक्लेरिक डिवायल सल्फेट	50.00
पॉलीआम्लिक एसिडसल्फोनेट	5.00
पॉलीकार्बोसिलेट	3.00
सोडियम लिगो सल्फोनेट	15.50
फैटी अल्कोहोल एथॉक्सिलेट्स	1.50
सिलिकोन ऑइल इमल्शन	0.50
सोडियम क्लोराइड	14.00
काओलिन	Q.S.
कुल	100.00

फसल	कीटाई का साधनान नाम	रज्जिय रकड (ग्राम)	सोनेलेसन (ग्राम)	फली की मात्रा (कै।)	औसत डिस्पोजन तथा काल (अंतर)
धान	भूत पत्ति दिइइइ, सोनय पोटा दिइइइ, हवा पत्ति दिइइइ	75	150	500	36
कपास	केला मूई, भूतय तथा सोनय मछली	75	150	500	25
मैई	भूत (औसत गाीसी) केरा (अमराका भिगुलन भिगुलन) सोनय मछली (केरीसिआ टवाक)	100	300	500	10
केन	भूत (औसत गाीसी) केरा (अमराका भिगुलन भिगुलन) सोनय मछली (केरीसिआ टवाक)	100	200	500	15

मीस की सामान्य स्थिति: प्रतिकूल परिस्थितियों में उपयोग न करें।

भूदा और जल: हल्की से गारी मिट्टी। छिड़काव के डिवा साफ पानी का उपयोग करें।

उपयोग के लिए फसल की अवस्था: पौधयुविक प्रारंभन अवस्था में।

उ

